कॉलेज नाम–एम0एल0के0पी0जी0 कॉलेज बलरामपुर।

नाम – प्रकांक्षा तिवारी

मो0नं0 – 9653007561

क्लास – बी0ए0 तृतीय वर्ष

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका

सतत विकास–

17 देशों का ऐसा संग्रह जिसमें सभी को बेहतर जीवन प्रदान करने की संभावनाओं की दिशा में कार्य करके उन लक्ष्यों को सीमित समय में प्राप्त किया जाए।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2015 में इन लक्षणों को 2030 तक प्राप्त करने की बैठक हुई थी जिसमें 17 देशों को शामिल किया गया था।

इस कार्यक्रम के 169 उद्देश्य हैं तथा 17 मूल लक्ष्य हैं जिसमें यह सुनिश्चित किया गया है कि सभी लोगों को बेहतर जीवन प्राप्त हो सके जिसमें सभी को पोषण युक्त

संतुलित भोजन पीने के लिए स्वच्छ जल अच्छी स्वास्थ्य सुविधा गुणवत्ता परक शिक्षा आर्थिक विकास एवं रोजगार ऊर्जा संसाधन एवं जीने के लिए आवश्यक सुविधाएं प्राप्त हो जिस से बेहतर जीवन यापन हो सके।

संयुक्त राष्ट्र संघ का यह उद्देश्य है कि वर्ष 2030 तक सतत विकास के सभी लक्ष्यों की प्राप्ति हो सके जिसके लिए बहुत सारे संगठन बनाया गया है और उनको यह जिम्मेदारी दी गई है कि इस दिशा में वह बेहतर प्रयत्न कर उसे प्राप्त करने में सहायता करें।

सतत विकास के प्रमुख लक्ष्य–

भुखमरी से मुक्ति–

संयुक्त राष्ट्र संघ के इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य यह है कि सभी को पोषण युक्त भोजन प्राप्त हो।

गरीबी उन्मूलन–

सतत विकास के प्रमुख लक्षणों में गरीबी उन्मूलन भी संबंधित है।

पीने के लिए उपयुक्त स्वच्छ जल–

इसका उद्देश्य है कि सभी को स्वच्छ जल प्राप्त हो।

1. थलीय जीवों का संरक्षण

2. जलीय जीवों का संरक्षण

3. ऊर्जा संसाधनों की पूर्ति

4. आर्थिक विकास

5. रोजगार के अवसर

6. बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

7. गुणवत्ता परक शिक्षा

8. न्याय ओम शांति के लिए न्यायालयों की व्यवस्था

9. जलवायु परिवर्तन

10.बेहतर शिक्षा व्यवस्था

सतत विकास के लक्ष्य की पूर्ति में युवाओं की भूमिका–

युवा जिसके नाम से अस्पष्ट है इस सूरत और ऊर्जा से भरा हुआ युवा किसी भी राष्ट्र के कर्णधार होते हैं आने वाला भविष्य और वर्तमान होते हैं युवाओं में भी वह शक्ति होती है कि अगर वह जोश और हौसले के साथ सकारात्मक दिशा में कोई कार्य करें तो उसे बेहतर अंजाम तक पहुंचा सकते हैं संयुक्त राष्ट्र संघ ने अपने इस बहुउद्देशीय कार्यक्रम सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को सम्मिलित करने का विचार किया है जिससे उन लक्ष्यों कितने समय तक बेहतर ढंग से प्राप्त किया जा सके क्योंकि युवाओं में वह ताकत होती है

कि अगर वह सकारात्मक दिशा में कार्य करें तो बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं।

यूएन ने युवाओं को सम्मिलित कर संगठन भी बनाया है जिससे युवा इस दिशा में बेहतरीन प्रयास करें और इस योजना को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें।

युवा शक्ति ही वह शक्ति है जिसमें कुछ भी कर दिखाने का दमखम होता है परंतु आज का युवा नकारात्मक गतिविधियों के साथ–साथ पतन की ओर अग्रसर है आज के युवा जिनके ऊपर जिम्मेदारी है अपने देश को आगे ले जाने संयुक्त राष्ट्र संघ के इस कार्यक्रम सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में सहयोग करके अपने देश को एक बेहतर आयाम तक पहुंचाने की वहीं युवा गलत संगत में पड़कर अनैतिक कार्य में लिप्त हैं एक तरफ जहां युवाओं की भूमिका की बात हो रही है वहीं दूसरी तरफ के बाद खुद ही बेरोजगार बैठा है और मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं इसलिए जरूरत है कि युवाओं को सकारात्मक दिशा दिखाने की युवाओं के ताप को से नियमित कर उन्हें सही मार्गदर्शन देने की जिससे अपना जोश ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करें और अपना बेहतर जीवन बनाएं फिर अपने ऊर्जा और उसका अपने देश के उत्थान में सहयोग करें क्योंकि कहा गया है कि

युग जो बदले हैं तभी तो बदले हैं युवा विचारों से

हुए देश स्वतंत्र कई युवाओं की हुंकारों से

सोच युवा जोश युवा परिवर्तन लाने में सक्षम है,

तख्ता पलट कर रख देने का युवाओं में ही दमखम है

एकजुट जो हो गए सब करने में अपने प्रयत्न

प्राप्त हो जाएंगे ''सतत विकास'' के सभी लक्ष्य